International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN : 2581-9925, Impact Factor: 6.882, Volume 05, No. 01(I), January - March, 2023, pp. 141-146

वैश्विक महामारी कोविड–19 और जयपुर पर्यटन

भागोती मीना*

सार

कोवडि–19 एक प्रकार का वायरस है जो संक्रमण द्वारा फैलता है और श्वसन तंत्र का प्रभावित करता है। इसके कई रूप SARS, MERS, इबोला इत्यादि है। यह सर्वप्रथम 01 दिसम्बर 2019 मे वुहान में पाया गया जो चीन का एक शहर है उसके बाद इसके पूरे विश्व मे अपना जाल फैला लिया। इस महामारी के संक्रमण से बचने के लिए सरकार द्वारा लॉकडाउन लगाया गया। लेकिन इस लॉकडाउन ने पूरे विश्व को प्रभावित किया। इसमे विशेष प्रभाव समाज के मजदूर वर्ग, स्ट्रीट वेण्डरस, टैक्सी ड्राइवर निर्धन परिवारों की महिलाएं जो साफ–सफाई और खाना बनाने का काम करती थी उनको भी इस महामारी ने प्रभावित किया है। भारत जैसे विकासशील देश मे स्थिति काफी दयनीय हो गई थी। भारत में मार्च 2020 में इसे महामारी घोषित कर दिया गया। भारत मे 25 मार्च 2020 से 31 मई 2020 तक लॉकडाउन रहा है। जयपुर शहर के पर्यटन पर वैश्विक महामारी कोविड–19 ने सामाजिक तथा आर्थिक रूप से काफी प्रभावित किया है। विदेशों से आवागमन बंद होने से 2020–2021 मे विदेशी पर्यटको को संख्या में गिरावट देखी गई। तथा स्वदेशी पर्यटक भी 2020 मे काफी कम हो गये। लेकिन 2021 में स्वदेशी पर्यटको की संख्या मे धीरे–धीरे वृद्धि होने लगी। कोविड–19 महामारी के संक्रमण को रोकने के लिए सामाजिक दूरी, मास्क लगाना तथा हाथों को सेनेटाईज करना जैसे उपाय अपनाये गये। जयपुर शहर में वर्ष 2021 में स्वदेशी पर्यटकों की संख्या में वर्ष 2020 की तुलना मे वृद्धि हुई है, लेकिन विदेशी पर्यटको की संख्या 2020 की तुलना में कमी आई है। राजस्थान में 2021 में 219.89 स्वदेशी एवं 0.35 लाख विदेशी पर्यटक सहित कुल 220.24 लाख पर्यटक राजस्थान भ्रमण हेतु आये 2020 में सर्वाधिक विदेशी पर्यटक यू.एस.ए से आये तथा न्यूनतम पाकिस्तान से आये है। तथा 2021 में भी 3268 पर्यटक यू.एस.ए. से आये है। कुल विदेशी पर्यटक जयपुर में 2020 में 72223 आये है तथा 2021 में 6131 पर्यटक जयपुर भ्रमण को आये है। इससे पता चलता है कि कोविड़–19 वैश्विक महामारी का जयपुर पर्यटन पर काफी प्रभाव पड़ता है। इसमें विदेशी पर्यटकों की प्रतिशत 2020 के 22.691ः की तुलना में 2021 में 1.46ः ही रह गया । पर्यटन विभाग वैश्विक पर्यटन को पटरी पर लाने के लिए विभिन्न आयोजन उत्सव, मेले, प्रतियोगिताएं तथा एक मुश्त यात्रा, कोविड–19 प्रोटोकोल का पालन आदि प्रयास कर रहा है। साथ ही राष्ट्रीय एवं अर्न्तर्राष्ट्रीय सेमिनार, कॉन्फ्रेन्स, मार्ट, सोशल मीडिया द्वारा राजस्थान पर्यटन की वेबसाइट से प्रचार–प्रसार, फिल्म, फोटो, श्रव्य–दृश्य सामग्री, वेबसाइट आदि द्वारा प्रचार–प्रसार किया जा रहा है।

शब्दकोशः *पर्यटन, कोविड–19, पर्यटक, जयपुर, देशी, विदेशी, वायरस, लॉकडाउन।*

प्रस्तावना

मनुष्य मे जानने की जिज्ञासा प्रारंभ से ही रही है। इसी जिज्ञासा के वशीभूत समीर पर सवार होकर उसने अंतरीक्ष की पर्तो का भेदन किया, यात्रिंक आखों से ब्रह्माण्ड के नक्षत्रों पर नजर रखी, लहरों पर सवार होकर नए दीपों की खोज की और पनडुब्बी में बैठकर सागर की गहराइयों के रहस्यों को जाना। पर्यटन भी इसी जानने की जिज्ञासा का ही प्रतिफल है। एक स्थान से दुसरे स्थान की यात्रा करना हमारी संस्कृति का अंग रहा

* शोध छात्रा, समाजशास्त्र विभाग, राजस्थान विश्वविधालय, जयपुर, राजस्थान।

है। भले ही ये यात्राऐं व्यापारिक रही हों, धार्मिक अथवा मेले पर्व एवं तीर्थस्थलों को लेकर रही हो। पर्यटन से न केवल बौद्विक विकास होता है अपितु एक दूसरे को जानने, विभिन्न प्रकार के रहन–सहन, रीति–रिवाज, परम्पराओं एवं वेशभूषा आदि का ज्ञान भी होता है। इस दृष्टि से पर्यटन एक सांस्कृतिक सेतु का कार्य करता है।

Covid-19: Co का मतलब कोरोना, Vi का मतलब वायरस, D का मतलब (Disease) बीमारी और 19 का मतलब 2019 वर्ष से है।

कोविड–19 के लक्षण

कोरोना संक्रमित व्यक्ति के संपर्क मे आने से फैलती है, यदि कोई संक्रमित व्यक्ति खांसता या छींकता है, तो उसमे भी संक्मण फैलने की पूरी संभावना रहती है।

राजस्थान और कोरोना वायरस

राजस्थान में समाचार एजेंसी ए.एन.आई. के अनुसार इटली के एक पर्यटक में 01 मार्च को कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई। कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए जयपुर में स्थित ऐतिहासिक स्मारकों, पर्यटन स्थलों को 18 मार्च से 31 मार्च तक बन्द कर दिया गया । पर्यटन विभाग ने प्रदेश के सभी होटल्स, गेस्ट हाऊस, ट्रेवल एजेंसी, गाइड और टूरिस्ट टैक्सी ड्राईवरों के लिए गाइडलाइन जारी की गई। विदेशी पर्यटकों के आने पर होटल व गेस्ट हाऊस संचालक एफआरओ को सूचना देगें।

वैसे तो सभी छोट–बडे उधोग इस महामारी के कारण हुए लॉक डाउन से बुरी तरह से प्रभावित हुऐ है। इसमें कार, इलेक्ट्रोनिक्श, हीरे–जवाहरात ही नही खाने–पीने के सामान का थोक व्यापार और छोट–बडे किसान तक प्रभावित हुए और रही सही कसर कामगारों के पलायन ने पूरी कर दी है। अब जब बड़े उधोग दोबारा काम–काज शुरू कर रहे हैतो कुशलता की कमी की समस्या मुंह फाडे खड़ी है। इससे पर्यटन और व्यवसाय बुरी तरह से प्रभावित हुआ है।

सामाजिक प्रभाव

इस महामारी के समय जहाँ एक ओर समाज मे एक प्रकार का भय फैला है, जिससे लोग एक–दूसरे के नजदीक जाने से बचते है वहीं दूसरी ओर सरकारों ने भी सोशल डिस्टेसिंग (दूरी) सामाजिक दूरी बनाए रखने की अपील की है। अगर कोई कोराना संक्रमित ठीक होकर घर आता है तो समाज के लोग उसके घर की तरफ जाने से भी परहेज करते है। सामाजिक मेल–जोल तो बहुत दूर की बात है।

समाज के लोग किसी भी बाहरी आदमी को विषाणु वाहक के रूप मे देखते है। इस कारक ने खास कर पर्यटन, होटल और परिवहन उधोग को अधिक प्रभावित किया है। पर्यटन उधोग की सभी गतिविधियां बंद है और अधिकांश व्यवसायी पैसे की कमी के कारण कर्मचारियो का वेतन, बैंक का ऋण और ब्याज नही चुका पा रहे है। जबकि आय नही होने के बाद भी उन्हे कुछ स्थायी व्यय जैसे बिजली–पानी स्थानीय निकायों को देय कर आदि के भुगतान तो करने ही होगें।

सरकार ने देश में चिकित्सा सुविधाओं में पर्याप्त सुधार लोगो को महामारी से बचाने और उनकी दैनिक जरूरतो को पूरा करने पर सम्पूर्ण ध्यान लगाया और नकदी का प्रयोग किया। इसलिए सरकारों के पास बैंक उधार के अलावा आय के कोई साधक नहीं है। अगर कोई कोरोना संक्रमित अस्पताल से ठीक होकर घर आया है तो उस कॉलोनी/सोसायटी के लोग उनके घर की तरफ से गुजरने से भी परहेज करते है। सामाजिक मेल–जोल तो बहुत बाद की बात हो गई है। जब स्थिति सामान्य होनी लगी तो भी अतिसर्तक पर्यटक होटलों में रूकने से परहेज कर रहे है।

वर्तमान चुनौतियाँ

महामारी के कारण पर्यटन व्यवसाय को पुनः पटरी पर लाना सबसे बडी चुनौती हैः–

- पर्यटक स्थलो, परिवहन साधनों, होटल और इस उधोग से जुडे सभी स्थलों को सेनेटाइज करना तथा उन्हें पुनः शुरू करना।

- पर्यटको को पुनः आकर्षित करने के लिए बड़ी मात्रा मे प्रचार करना।
- पर्यटको को भयमुक्त कर उन्हे विश्वास दिलाना कि उन्हें कोई असुविधा नही होगी। आवश्यकता होने पर सभी चिकित्सा सुविधाएं दी जाएगी।
- स्थानीय निवासियों को विश्वास दिलाना कि बाहरी पर्यटक वायरस–वाहक नहीं है।
- विभिन्न स्थलों पर चैक पोईन्ट बना कर चिकित्सा जांच की व्यवस्था करना।
- पर्यटन की नीतियों और योजनाओं का पुनर्मुल्यांकन करना, उन्हे और सुविधाजनक बनाना।
- महामारी के कारण लोगो की आय कम हो गई तो इस के लिए विभिन्न पर्यटन स्थलों पर होटलों, बसों, हवाई सेवाओं आदि में विशेष छूट और आकर्षक नीतियों को लाभ करके पर्यटको को आकर्षित करना।

कोविड–19 से पूर्व विभिन्न देशों से जयपुर भ्रमण पर आये विदेशी पर्यटको का विवरणः–

देश	वर्ष	
	2017	**2018**
यू.के.	62935	67929
फ्रांस	45101	57366
इटली	21666	26898
कनाडा	24136	20731
यू.एस.ए.	76439	73051
जर्मनी	35620	38842
आस्ट्रेलियाँ	19844	32553
स्विजरलैण्ड	5014	3578
जापान	23935	23490
श्रीलंका	1841	1680
पाकिस्तान	138	61
बांग्लादेश	16827	16870
थ्संगापुर	2792	3688
ईरान	6848	8417
यू.ए.ई.	461	564
सऊदी अरब	843	475
मलेशिया	6929	13677
अन्य	282621	291457

कोविड–19 से पूर्व जयपुर भ्रमण के लिए यू.के, फ्रांस, इटली, कनाड़ा, यू.एस.ए., जर्मनी से सर्वाधिक पर्यटक आये है तथा इन आंकड़ों के पता चलता है कि जयपुर शहर में वैश्विक पर्यटन में लगातार वृद्धि हो रही है। जिससे युवाओं के रोजगार में वृद्धि हुई है तथा सरकार को भी पर्यटन से अच्छी आय प्राप्त हुई है।

जयपुर शहर मे कोविड–19 के पश्चात् आये विदेशी पर्यटको का विवरण

देश	वर्ष	
	2020	**2021**
यू.के.	21557	738
फ्रांस	13618	1179
इटली	5960	242
कनाडा	6821	338
यू.एस.ए.	22899	3268

जर्मनी	8666	422
आस्ट्रेलिया	9784	269
स्विजरलैण्ड	1738	96
जापान	5683	619
श्रीलंका	313	53
पाकिस्तान	14	11
बांग्लादेश	2504	1126
सिंगापुर	592	38
ईरान	1654	65
यू.ए.ई.	4061	22

जयपुर शहर में कोविड–19 का प्रभाव वैश्विक पर्यटन पर साफ दिखाई देता है। वर्ष 2020 में विदेशी पर्यटको की संख्या में 2019 की तुलना में गिरावट आई है तथा 2021 में विदेशी पर्यटको की संख्या एकदम ही गिर गई है।

जयपुर शहर मे कोविड–19 से पूर्व देशी एवं विदेशी पर्यटकों का विवरणः

वर्ष	स्वदेशी पर्यटक	प्रतिशत	विदेशी पर्यटक	प्रतिशत	कुल पर्यटक
2012	998703	65-14 %	534256	34-85 %	1552959
2013	1104905	66-10 %	566429	33-89 %	1671334
2014	1170152	67-31 %	568234	32-68 %	1738386
2015	1201152	66-80 %	596756	33-19 %	1797908
2016	1544730	73-18 %	565978	26-81 %	2110708
2017	1702665	96-37 %	63990	3-622 %	1766655
2018	1787836	72-40 %	681227	27-59 %	2469063
2019	1727695	72-77 %	646402	27-22 %	2374097

कोविड–19 से पूर्व देशी एवं विदेशी पर्यटको की संख्या 2012 से 2019 तक लगातार वृद्धि हो रही है।

राज्य में वर्ष 2021में स्वदेशी एवं विदेशी पर्यटकों का आगमन का माहवार तुलनात्मक विवरण

माह	वर्ष 2021			वर्ष 2020			गत अवधि की तुलना में प्रतिशत परिवर्तन		
	देशी	विदेशी	योग	देशी	विदेशी	योग	देशी	विदेशी	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
जनवरी	1602776	1987	1604763	4097814	169648	4267462	-60.89	-98.83	-62.4
फरवरी	2105885	2354	2108239	3000771	183468	3184239	-29.82	-98.72	-33.79
मार्च	1704445	4131	1708576	4327711	86573	4414284	-60.62	-95.23	-61.29
अप्रैल	538504	1536	540040	0	86	86	0	1686.05	627853.49
मई	4858	157	5015	0	115	115	0	36.52	4260.87
जून	197170	374	197544	26113	277	26390	655.06	35.02	648.56
जुलाई	1205241	1078	1206319	104468	459	104927	1053.69	134.86	1049.67
अगस्त	1577727	1581	1579308	252777	570	253347	524.16	177.37	523.33
सितम्बर	1721375	2359	1723734	365870	815	366685	370.49	189.45	370.09
अक्टुबर	2836037	3716	2839753	629586	1015	630601	350.46	266.11	350.32
नवम्बर	3716368	6730	3723098	952271	1377	953648	290.26	388.74	290.41
दिसम्बर	4778348	8803	4787151	1359858	2054	1361912	251.39	328.58	251.5
योग :–	21988734	34806	22023540	15117239	446457	15563696	45.45	-92.2	41.51

जिससे सरकार को आर्थिक हानि उठानी पड़ी है तथा इसका अप्रत्यक्ष प्रभाव समाज पर भी पड़ा है।

राज्य में आये विदेशी पर्यटकों का भारत में आये विदेशी पर्यटकों से माहवार तुलनात्मक विवरण

माह	भारत में आये विदेशी पर्यटक		राजस्थान में आये विदेशी पर्यटक	
	2021*	2020	2021	2020
जनवरी	83822	1119250	1987	169648
फरवरी	99640	1018440	2354	183468
मार्च	123179	328304	4131	86573
अप्रैल	69442	2820	1536	86
मई	13307	3764	157	115
जून	29397	8590	374	277
जुलाई	64566	12655	1078	459
अगस्त	84955	19761	1581	570
सितम्बर	106704	28167	2359	815
अक्टुबर	181325	41494	3716	1015
नवम्बर	251993	70977	6730	1377
दिसम्बर	303799	90544	8803	2054
कुल	1412129	2744766	34806	446457

2020–2021 में भारत की तुलना में राजस्थान मे काफी कम पर्यटक राजस्थान भ्रमण के लिए आये है। कोविड–19 का प्रभाव पूरे भार पर पड़ा है। राज्य सरकार द्वारा कोरोना प्रबंधन हेतु लिये गये निर्णय/नवाचार में मुख्यमंत्री लघु उधोगो को प्रोत्साहन देने के लिए मुख्यमंत्री पर्यटन उधोग सम्बल योजना चलाई गई। साथ ही होटल एवं ट्यूर ऑपरेटर द्वारा 01 अप्रेल 2021 से 30 जून 2021 तक देय एवं जमा कराये गये राज्य कर का 75 प्रतिशत पुनर्भरण। आबकारी नीति 2021–22 में पर्यटन उधोग को बार लाईसेंस की फीस में कमी की गई। एसी लक्जरी बसों को जुलाई 2020 से 30 जून 2021 तक मासिक मोटर व्हीकल टैक्स में छूट दी गई। गाईड, हाथी पालक, ऊँट पालक व छोटे लोक कलाकारों को अनुग्रह राशि प्रदान की गई।

राजस्थान मे कोविड–19 महामारी के मामले 20 जुलाई 2020 तक 29832 थे जिनमे 563 मौते और 22866 ठीक हो चुके मरीज थे। राज्य ने सभी प्रभावित जिलों की सूचना दी है जिनमे जयपुर सबसे अधिक प्रभावित है। राज्य के पर्यटन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार मार्च माह में लगभग 11 हजार पर्यटकों की बुकिंग रद्ध हुई थी। पर्यटन व्यवसाय पर इतना बुरा प्रभाव अंतर्राष्ट्रीय उडाने बंद होने और विदेशी पर्यटको के राजस्थान नहीं आने से पडा है। कोरोना महामारी के कारण विदेशी पर्यटको मे लोकप्रिय शाही रेलगाडी पैलेस ऑन व्हील्स रद्ध कर दी। पुष्कर मेलों का संचालन जयपुर मे आमेर में हाथी सवारी, जयुर के बॉयोलॉजिकल पार्क मे सफारी भी संक्रमण के डर से बंद कर दी गई थी। राजस्थान की अर्थव्यवस्था बहुत अधिक पर्यटन राजस्व पर निर्भर करती है। इस महामारी का पर्यटन उधोग पर गहरा प्रभाव पडता है।

राजस्थान के पर्यटन उधोग पर करीब 10 लाख से ज्यादा लोगो की रोजी–रोटी निर्भर है। कोविड–19 प्रभाव से पर्यटन से जुडे होटल, ट्रेवल्स, गाईड्स, हॉकर, फोटोग्राफर, महावत, लोक कलाकार और पर्यटन से जुडा हर छोटा आदमी रोजगार के संकट का सामना कर रहा है। जलमहल की पाल पर्यटको से आबाद रहती थी जो सूनी हो गई। आमेर मे हाथी स्टेण्ड सूने हो गये, नाहरगढ़ मे पड़ाव, वैक्स म्यूजियम सभी स्थल पर्यटको के बिना उदासी लिये हुये दिख रहे थे।

पर्यटन विभाग की आय पर प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से प्रभाव पडा है। 2021 में विदेशी पर्यटक न के बराबर आये थे, जिससे गाइड, टैक्सी ड्राइवर, महावत, दुकानदार सभी पर आर्थिक प्रभाव पडा है। रोजगार छिन गये, टैक्सी का किस्त चुकाना, हाथियों को खाना खिलाना भारी पड गया। कालकारों के सामने भी रोजी–रोटी का संकट खडा हो गया।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. मीना जगदीश प्रसाद (2021) : कोविड–19 का राजस्थान के पर्यटन उधोग पर प्रभाव ISEMMASSS Volume 03 सहायक आचार्य ई.ए.एफ.एम, स्वः राजेश पायलट राजकीय, स्नातकोत्तर महाविधालय, बांदीकुई, दौसा।
2. http//www.bhaskar,com
3. M.economictimes.com
4. विकिपिडिया 2019–20 कोरोना वायरस महामारी hi-m.wikipedia.org
5. wikipedia.www.social.distancing
6. Navodya times (2020)retirever from https//www.navodayatimes .in as on 15th september 2020
7. चावरे वीरेन्द्र (2020) कोविड–19 महामारी और वैश्विक राजनीति एक विश्लेषण राधाकमल मुखर्जी चिन्तन परम्परा।
8. गोयल विनय (2020) कोरोना संकट का सबसे ज्यादा भार परिवार में महिलाओं पर आ पडा है। प्रभासाक्षी न्यूज नेटवर्क।
9. प्रगति प्रतिवेदन (2019–20) पर्यटन विभाग, राजस्थान।
10. प्रगति प्रतिवेदन (2020–21) पर्यटन विभाग, राजस्थान।
11. प्रगति प्रतिवेदन (2021–22) पर्यटन विभाग, राजस्थान।
12. पर्यटन एवं यात्रा के सिद्धान्त (1992) : डॉ0 जगमोहन नेगी, तक्षशिला प्रकाशन 23/4762 अंसारी रोड़, दरियागंज, नई दिल्ली – 110002
13. अतुल्य भारतः– पर्यटन मंत्रालय की त्रैमासिक गृह पत्रिका भारत सरकार नई दिल्ली

❖◆❖